



PUNJAB KESARI

शिक्षा अपनी मातृभाषा में होनी चाहिए : प्रो. एसके तोमर

- भारतीय विज्ञान क्षेत्र में जेसी बोस का विशिष्ट स्थान : डॉ. मेहर वान
- महान वैज्ञानिक सर जगदीश चंद्र बोस का 165वां जन्मदिवस मनाया

फरीदाबाद, 30 नवम्बर (सूरजमल) : जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए के सभागार में वीरवार को प्रसिद्ध एवं महान भारतीय वैज्ञानिक सर जगदीश चंद्र बोस का 165वां जन्मदिवस मनाया गया।

विवेकानंद सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. परमजीत खुराना एवं डॉ. मेहर वान ने अपने संबोधन में महान वैज्ञानिक जे सी बोस के जीवन वृत्त एवं उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के बारे में बताया। टी पी ओ एवेश कुमार आहूजा ने अपने स्वागत भाषण में भारतीय वैज्ञानिक सर जगदीश चंद्र बोस की जीवनी एवं उनके शोध के

बारे में विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर कुलपति प्रो. एसके तोमर, प्रो. नीतू गुप्ता, डॉ. मनीषा गर्ग, डॉ. अनुराधा शर्मा और प्रो सोनिया बंसल विशेष रूप से उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. एसके तोमर ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि शिक्षा मातृभाषा में होनी चाहिए। नई शिक्षा नीति 2020 का मूल उद्देश्य भी यही है। जेसी बोस के पिता चाहते थे की उन्हें पहले अपनी मातृभाषा बंगाली आनी चाहिए, उसके बाद अंग्रेजी सीखें। एनईपी-20 मातृभाषा के महत्व को दर्शाती है। महान वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस ने पौधा विज्ञान पर दो पुरस्कों अपनी मातृभाषा बंगाली में लिखी हैं। 30 नवंबर को बंगाल में जन्म लेने वाले



जगदीश चंद्र बोस के जन्मदिवस पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कुलपति प्रो. एसके तोमर, प्रो. नीतू गुप्ता व अन्य।

भारतीय वैज्ञानिक जे सी बोस को प्रथम वैज्ञानिक स्वतंत्रता सेनानी कहाँ तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। भारत में अंग्रेज साम्राज्य के दौरान उन्होंने तीन वर्ष तक बिना वेतन के अध्यापक की नौकरी की। सर सीवी रमण और सर जगदीश चंद्र बोस दोनों ऐसे भारतीय वैज्ञानिक रहे हैं जिनका

विज्ञान के क्षेत्र में योगदान उल्लेखनीय एवं सराहनीय है। हरियाणा में हमारा संस्थान पहला है जो उनके नाम पर जे सी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए रखा गया है। आज उन्ही महान वैज्ञानिक के जन्मदिवस पर हम एकत्रित होकर उनकी उपलब्धियों का स्मरण कर

रहे हैं। तोमर ने सभी अतिथियों, डीन, फेकल्टी, उपस्थित शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को कवाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वैज्ञानिक डॉ. मेहर वान ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय विज्ञान क्षेत्र में जे सी बोस का विशिष्ट स्थान है। विज्ञान में उनके शोध और उनके आविष्कार उनकी उपलब्धियाँ हैं जिन पर आज सौ साल बाद भी हम चर्चा कर रहे हैं। उन्हें आधुनिक भारतीय विज्ञान का जन्मदाता कहा जाता है।

डॉ. वान ने बताया कि जे सी बोस पर लिखी गयी पुस्तक में उनके पत्र छपे हैं जिनसे पता चलता है कि जगदीश चंद्र बोस और रविन्द्रनाथ टैगोर में गहरी दोस्ती थी। बोस स्वामी विवेकानंद को अपना प्रेरणा स्रोत मानते थे। सभागार में स्क्रीन पर दिखाई गई एनीमेशन फिल्म में वैज्ञानिक सर जगदीश चंद्र बोस के शोध एवं उनके आविष्कारों के बारे में दिलचस्प जानकारी प्राप्त हुई।



HADOTI ADHIKAR



वीरवार को मुख्यमंत्री मनोहर लाल जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए में आचार्य जगदीश चंद्र बोस की 165वीं जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करने उपरांत। साथ में हैं उच्चतर शिक्षा मंत्री मूलचंद शर्मा, विधायक नरेंद्र गुप्ता और सीमा त्रिखा।

जगदीश चंद्र बोस का जीवन युवा शोधकर्ताओं के लिए प्रेरणा : मनोहर

▶▶ हड़ोती अधिका

फरीदाबाद, 30 नवम्बर। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने जे.सी.बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए में प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिक आचार्य जगदीश चंद्र बोस के 165वीं जयंती समारोह में शिरकत की।

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय परिसर में जगदीश चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा पुष्पांजलि अर्पित की। मनोहर लाल ने जगदीश चंद्र बोस के योगदान पर बल देते हुए कहा कि उनका जीवन युवा शोधकर्ताओं के लिए एक आदर्श है, जिससे उन्हें प्रेरणा लेनी चाहिए।

उल्लेखनीय है कि विज्ञान क्षेत्र में जगदीश चंद्र बोस के योगदान को मान्यता देते हुए वर्ष 2018 में विश्वविद्यालय का नाम जगदीश चंद्र बोस के नाम पर रखा गया था, जिसकी घोषणा मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने 2017 में विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में की थी।

इस दौरान कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने मुख्यमंत्री को

▶▶ मुख्यमंत्री ने जगदीश चंद्र बोस को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की

विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और विकासाल्मक पहलों के बारे में जानकारी भी दी। आधुनिक विज्ञान में भारत के अग्रणी और वायरलेस संचार के वास्तुकार के रूप में पहचाने जाने वाले जेसी बोस की विरासत पर एक शोध संवाद सत्र के माध्यम से चर्चा की गई। इस अवसर पर प्रतिष्ठित वक्ताओं सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर, नई दिल्ली के वैज्ञानिक डॉ. मेहर वान और दिल्ली विश्वविद्यालय के पादप आणविक जीवविज्ञान विभाग की प्रोफेसर परमजीत खुराना ने अपनी विशेषज्ञता साझा की।

इस अवसर पर हरियाणा के उच्च शिक्षा मंत्री मूलचंद शर्मा, जेसी बोस विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर, विधायक नरेंद्र गुप्ता, सीमा त्रिखा, विश्वविद्यालय और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।



NEWS CLIPPING:01.12.2023

TEHELKA JAZBA

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने जगदीश चंद्र बोस को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की

जगदीश चंद्र बोस का जीवन युवा शोधकर्ताओं के लिए प्रेरणा: मुख्यमंत्री



तहलका जम्बा / संवाददाता फरीदाबाद। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने जे.सी.बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद में प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिक आचार्य जगदीश चंद्र बोस के 165वीं जयंती समारोह में शिराफत की विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय परिसर में जगदीश चंद्र बोस की प्रतिमा पर मालाधरोष तथा पुष्पजली अर्पित की। श्री

जे.सी. बोस की जयंती पर शोध संवाद सत्र का आयोजन वैज्ञानिक आचार्य जगदीश चंद्र बोस की 165वीं जयंती मनाई गई

तहलका जम्बा / दीपा राणा फरीदाबाद। जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद ने आज प्रख्यात भारतीय वैज्ञानिक आचार्य जगदीश चंद्र बोस की 165वीं जयंती मनाई और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। आधुनिक विज्ञान में भारत के अग्रणी और पापलस संस्कर के खसुनकर के रूप में पहचाने जाने वाले जे.सी. बोस की विरासत पर एक शोध संवाद सत्र के सधुष्य से चर्चा की गई। इस अवसर पर प्रतिष्ठित वक्ताओं सी.एस.आई.आर. एन.एडि.एस.के.ए.ओ.अर, नई दिल्ली के वैज्ञानिक डॉ. मेहर बहन और दिल्ली विश्वविद्यालय के सधुष्य आधुनिक जीवविज्ञान विधुष्य की प्रोफेसर



अपनाला कुलपति प्रो. सुरीश कुमार तौर ने की। इससे पहले, कुलपति प्रो. तौर ने अग्रजिता वक्ताओं के साथ जगदीश चंद्र बोस विधासतासक पारलौ के बारे में जानकारी भी दी। इस अवसर पर हरियाणा के उष्य शिक्ष मंत्री मूलचंद्र

परमनीत सुदान ने अपनी शोध प्रतियां प्रतियां पर मालाधरोष किया। इस शोध प्रतियों के अर्पण में स. जे.सी. बोस को पुष्पांश पर प्रकृत ज्ञान और उनके जीवन कार्यों पर चर्चा की। प्रो. परमनीत सुदान ने विधासतासक जीवविज्ञान में हरियाणा सज्ञान पर चर्चा करते हुए पीएच.डी. के तहिका तौर पर जे.सी. बोस के शोध पर बात की। उन्होंने स्वस्थ पारलौषणा के लिए सनसुधलता और जीवों के सधुष्य पर भी जोर दिया। सत्र का संघालन डॉन (विज्ञान) प्रोफेसर नीतु गुप्त, निदेशक (अर एंड डी) प्रोफेसर मनीषा गुप्त, भीतिका विधास की अध्यक्ष प्रोफेसर सधुष्य वंसल, प्रशिक्षण और पोससुधट अधिकाारी प्रोफेसर राजेश जालुज और प्रोफेसर अनुसुधा सधुष्य ने किया।

कार्य में प्रेरणा लेने का आह्वान किया। डॉ. मेहर बहन ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में स. जे.सी. बोस को पुष्पांश पर प्रकृत ज्ञान और उनके जीवन कार्यों पर चर्चा की। प्रो. परमनीत सुदान ने विधासतासक जीवविज्ञान में हरियाणा सज्ञान पर चर्चा करते हुए पीएच.डी. के तहिका तौर पर जे.सी. बोस के शोध पर बात की। उन्होंने स्वस्थ पारलौषणा के लिए सनसुधलता और जीवों के सधुष्य पर भी जोर दिया। सत्र का संघालन डॉन (विज्ञान) प्रोफेसर नीतु गुप्त, निदेशक (अर एंड डी) प्रोफेसर मनीषा गुप्त, भीतिका विधास की अध्यक्ष प्रोफेसर सधुष्य वंसल, प्रशिक्षण और पोससुधट अधिकाारी प्रोफेसर राजेश जालुज और प्रोफेसर अनुसुधा सधुष्य ने किया।

विधा, विश्वविद्यालय और जिला प्रशासन के सहसुध अधिकाारी उधुष्यलत थे।



J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.icboseust.ac.in



NEWS CLIPPING:01.12.2023

DAINIK JAGRAN

विज्ञानी जेसी बोस के शोध के बारे में बताया



दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते जेसी बोस यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. एसके तोमर और डा. मेहर वान • सौ.यूनिवर्सिटी

वि., फरीदाबाद : जेसी बोस विश्वविद्यालय के विवेकानंद सभागार में भारतीय विज्ञानी सर जगदीश चंद्र बोस के 165वें जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रो. परमजीत खुराना व डा. मेहरवान ने अपने संबोधन में जेसी बोस के जीवन वृत्तांत व उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के

बारे में बताया। टीपीओ राजेश कुमार आहूजा ने सर जगदीश चंद्र बोस की जीवनी व उनके शोध के बारे में विस्तार से चर्चा की। अध्यक्षता कुलपति प्रो. एसके तोमर ने की। इस अवसर पर प्रो. नीतू गुप्ता, डा. मनीषा गर्ग, डा. अनुराधा शर्मा और प्रो. सोनिया बंसल ने आयोजन में सहयोग दिया।



J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.icboseust.ac.in



NEWS CLIPPING:01.12.2023

PUNJAB KESARI

जगदीश चंद्र बोस का जीवन युवा शोधकर्ताओं के लिए प्रेरणा : सीएम

फरीदाबाद, 30 नवम्बर (ब्यूरो): मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद में प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिक आचार्य जगदीश चंद्र बोस के 165वीं जयंती समारोह में शिरकत की। विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय परिसर में जगदीश चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा पुष्पांजलि अर्पित की।

मनोहर लाल ने जगदीश चंद्र बोस के योगदान पर बल देते हुए कहा कि उनका जीवन युवा शोधकर्ताओं के लिए एक आदर्श है, जिससे उन्हें प्रेरणा लेनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि विज्ञान क्षेत्र में जगदीश चंद्र बोस के योगदान को मान्यता देते हुए वर्ष 2018 में विश्वविद्यालय का नाम जगदीश चंद्र बोस के नाम पर रखा गया था, जिसकी घोषणा मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने 2017 में विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में की थी। इस दौरान कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने



मुख्यमंत्री मनोहर लाल जगदीश चंद्र बोस को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए।

मुख्यमंत्री को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और विकासात्मक पहलों के बारे में जानकारी भी दी।

इस अवसर पर हरियाणा के उच्च शिक्षा मंत्री मूलचंद शर्मा, जेसी बोस विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर, विधायक नरेंद्र गुप्ता, सीमा त्रिखा, विश्वविद्यालय और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।



J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email: proymcaust@gmail.com | web: www.icboseust.ac.in



NEWS CLIPPING:01.12.2023

NAVBHARAT TIMES

जेसी बोस यूनिवर्सिटी में हुआ कार्यक्रम



■ एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद: जेसी बोस यूनिवर्सिटी में जगदीश चंद्र बोस की जयंती मनाई गई। इस दौरान मुख्य वक्ता प्रफेसर परमजीत खुराना व डॉ.मेहर ने उनके जीवन व उपलब्धियों के बारे में बताया। कुलपति प्रफेसर एसके तोमर, प्रफेसर नीतू गुप्ता, डॉ.मनीषा गर्ग, डॉ.अनुराधा शर्मा और सोनिया बंसल उपस्थित रहीं।



J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email: proymcaust@gmail.com | web: www.icboseust.ac.in



NEWS CLIPPING:01.12.2023

SATYAJAY TIMES

मुख्यमंत्री ने जगदीश चंद्र बोस को दी श्रद्धांजलि

फरीदाबाद, 30 नवंबर, सत्यजय टाईम्स/वनिता। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने जे.सी.बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद में प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिक आचार्य जगदीश चंद्र बोस के 165वीं जयंती समारोह में शिरकत की। विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय परिसर में जगदीश चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा पुष्पांजलि अर्पित की। मनोहर लाल ने जगदीश चंद्र बोस के योगदान पर बल देते हुए कहा कि उनका जीवन युवा



जगदीश चंद्र बोस की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल।
छाया: सत्यजय टाईम्स/पुष्पा अग्रवाल।

शोधकर्ताओं के लिए एक आदर्श है, जिससे उन्हें प्रेरणा लेनी चाहिए।

उल्लेखनीय है कि विज्ञान क्षेत्र में जगदीश चंद्र बोस के योगदान को मान्यता देते हुए वर्ष 2018 में विश्वविद्यालय का नाम जगदीश चंद्र बोस के नाम पर रखा गया था, जिसकी घोषणा मुख्यमंत्री मनोहर ने 2017 में विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में की थी। इस दौरान कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने मुख्यमंत्री को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और



J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email: proymcaust@gmail.com | web: www.icboseust.ac.in



NEWS CLIPPING:01.12.2023

DAINIK BHASKAR

शिक्षा अपनी मातृभाषा में होनी चाहिए, नई शिक्षा नीति का यही मूल उद्देश्य: प्रो. तोमर फरीदाबाद | जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस के तोमर ने कहा कि अपनी शिक्षा अपनी मातृभाषा में होनी चाहिए। नई शिक्षा नीति-2020 का यही मूल उद्देश्य है। प्रो. तोमर गुरुवार को भारतीय वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस के 165वें जन्मदिवस पर संबोधन देते हुए कहा कि जेसी बोस के पिता चाहते थे कि उन्हें पहले अपनी मातृभाषा बंगाली आनी चाहिए। एनईपी-20 मातृभाषा के महत्व को दर्शाती है। वक्ता प्रो. परमजीत खुराना ने जेसी बोस के शोध एवं अनुसंधान के बारे में बताया। साथ ही शोध के मानवीय मूल्यों को समझाया। वैज्ञानिक डॉ. मेहर वान ने कहा कि उन्हें आधुनिक भारतीय विज्ञान का जन्मदाता कहा जाता है।



AMAR UJALA

जेसी बोस की विरासत पर शोध संवाद सत्र के माध्यम से चर्चा

फ़रीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से बृहस्पतिवार को प्रख्यात भारतीय वैज्ञानिक आचार्य जगदीश चंद्र बोस की 165वीं जयंती मनाई। विश्वविद्यालय में उन्हें याद कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। आधुनिक विज्ञान में भारत के अग्रणी और वायरलेस संचार के वास्तुकार के रूप में पहचाने जाने वाले बोस की विरासत पर एक शोध संवाद सत्र के माध्यम से चर्चा की गई।

सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर के वैज्ञानिक डॉ. मेहर वान और दिल्ली विश्वविद्यालय के पादप आणविक जीवविज्ञान विभाग की प्रोफेसर परमजीत खुराना ने जेसी बोस के शोध के बारे में जानकारी दी। कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने जगदीश चंद्र बोस को पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने जेसी बोस के अंतः विषय शोध एवं विज्ञान में योगदान पर बल दिया और युवा शोधकर्ताओं से उनके जीवन और कार्य से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

डॉ. मेहर वान ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सर जेसी बोस की भूमिका पर प्रकाश डाला और उनके जीवन कार्यों पर चर्चा की। प्रोफेसर परमजीत खुराना ने विकासात्मक जीवविज्ञान में हालिया रुझानों पर चर्चा करते हुए पौधों के तंत्रिका तंत्र पर जेसी बोस के शोध पर बात की। उन्होंने स्वस्थ पर्यावरण के लिए वनस्पतियों और जीवों के महत्व पर भी जोर दिया। इस दौरान डीन प्रोफेसर नीतू गुप्ता, निदेशक प्रोफेसर मनीषा गर्ग, प्रोफेसर सोनिया बंसल, प्रोफेसर राजेश आहूजा और प्रोफेसर अनुराधा शर्मा मौजूद रहे। ब्यूरो



J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.icboseust.ac.in



NEWS CLIPPING:01.12.2023

HINDUSTAN

मुख्यमंत्री ने जेसी बोस के योगदान को याद किया

फरीदाबाद, संवाददाता। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए फरीदाबाद में प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिक आचार्य जगदीश चंद्र बोस के 165वीं जयंती समारोह में शिरकत की।

विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय परिसर में जगदीश चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा पुष्पांजलि अर्पित की। मनोहर लाल ने जगदीश चंद्र बोस के योगदान पर बल देते हुए कहा कि उनका जीवन युवा शोधकर्ताओं के लिए एक आदर्श है, जिससे उन्हें प्रेरणा लेनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि विज्ञान

शोध संवाद सत्र आयोजित

भारत के अग्रणी और वायरलेस संचार के वास्तुकार के रूप में पहचाने जाने वाले जेसी बोस की विरासत पर एक शोध संवाद सत्र के माध्यम से चर्चा की गई। इस अवसर पर प्रतिष्ठित वक्ताओं वैज्ञानिक डॉ. मेहर वान और दिल्ली विश्वविद्यालय के पादप आणविक जीवविज्ञान विभाग की प्रोफेसर परमजीत खुराना ने अपनी विशेषज्ञता साझा की।

क्षेत्र में जगदीश चंद्र बोस के योगदान को मान्यता देते हुए वर्ष 2018 में विश्वविद्यालय का नाम जगदीश चंद्र बोस के नाम पर रखा गया था।



J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.icboseust.ac.in



NEWS CLIPPING:01.12.2023

NAVBHARAT TIMES

165वीं जयंती पर दी श्रद्धांजलि

■ एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने जेसी बोस यूनिवर्सिटी में प्रसिद्ध वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस की 165वीं जयंती पर आयोजित समारोह में हिस्सा लिया। उन्होंने बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके जीवन से सीख लेने की सलाह दी। विज्ञान क्षेत्र में जगदीश चंद्र बोस के योगदान को मान्यता देते हुए साल 2018 में यूनिवर्सिटी का नाम जगदीश चंद्र बोस के नाम पर रखा गया था। इसकी घोषणा मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने 2017 में की थी। गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रोफेसर सुशील कुमार तोमर ने मुख्यमंत्री को यूनिवर्सिटी से जुड़ी जानकारी भी दी। इस अवसर पर हरियाणा के उच्च शिक्षा मंत्री मूलचंद्र शर्मा, विधायक नरेंद्र गुप्ता, सीमा त्रिखा, यूनिवर्सिटी व जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।



REPCO NEWS

अपनी शिक्षा अपनी मातृभाषा में होनी चाहिए, नई शिक्षा नीति 2020 का भी यही मूल उद्देश्य है : प्रो एस के तोमर

प्राचीनकाल, 30 सालका (पेपको न्यूज)। जे से से बीस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी शिक्षाविद्यार्थी भाईएनसीए के साक्षात में आम प्रसिद्ध एवं महान भारतीय वैज्ञानिक सर जस्टीस चंद बीम का 165वां जन्मदिन मनाया गया। शिक्षाविद साक्षरता में उत्कृष्टता कायमता में मुख्य बंधन के रूप में घोषणा की परामर्श सुझाव एवं डॉ चंद बीम ने अपने संबोधन में महान वैज्ञानिक जे सी बीम के

जीवन वृत्त एवं उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के बारे में साक्षात साक्षात्की संवाद एवं बीच-बायबीच के सभा कार्यक्रम का सुन्दरता हुआ। डॉ जी सी बीम सुधार अर्थात् ने अपने संबोधन सभा में भारतीय वैज्ञानिक सर जस्टीस चंद बीम की जीवनी एवं उनके जीवन के बारे में विस्तार से बात की। इस अवसर पर कुलपति प्रो चंद के साक्षर, प्रो विरू मुष, डॉ सतीश खन्ना, डॉ अतुलभा शर्मा और डॉ अशोक चंदास विशेष रूप से

उपस्थित थे। कुलपति प्रो चंद के तोमर ने अपने संबोधन सभा में कहा कि शिक्षा अनुसंधान में होने चाहिए। नई शिक्षा नीति 2020 का मूल उद्देश्य यही है। जे से से बीम के शिक्षा चिंतन के बारे में अपने अपने अपने अनुसंधान संशोधन अर्थात् चर्चा। इसके बाद अशोक सतीश खन्ना, डॉ सतीश खन्ना, डॉ अतुलभा शर्मा और प्रोपा विज्ञान प्रो डॉ प्रकाश अग्नी

अनुसंधान संशोधन में मिलते हैं। 50 वर्षों का बीम का जन्म होने वाले भारतीय वैज्ञानिक जे सी बीम को प्रथम वैज्ञानिक सम्मान सेनाने की है। डॉ अशोक सतीश खन्ना के दौरान उन्होंने तीन वर्षों तक बिना वेतन के अनुसंधान की है। इसी बीच वेतन और सर जस्टीस चंद बीम दोनों ऐसे भारतीय वैज्ञानिक रहे हैं जिसका विज्ञान के क्षेत्र में योगदान अशोक सतीश खन्ना और साक्षात्की है।

शिक्षण में अग्रणी योगदान चंदक है जो उनके काम पर जे सी बीम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी शिक्षाविद्यार्थी भाईएनसीए साक्षात गया है। आम जनों महान वैज्ञानिक के जन्मदिन पर हम एकदिवस के जन्मदिन का मना कर रहे हैं। जो तोमर ने सारी अतिथियों, डॉ, फैकल्टी, ज्योतिष्य अतिथियों एवं शिक्षार्थियों को कहा कि सुधामनसा देते हुए उनके जन्मदिन श्रद्धा की साक्षर की।

कार्यक्रम को मुख्य बंधन से परामर्श सुझाव ने प्रोफेसी के सम्मान से जे से से बीम के जीवन एवं अनुसंधान के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। उन्होंने बीम के जीवन के महत्वपूर्ण मुद्दों को साक्षात से साक्षात तरीके से समझाया। प्रोपा एवं साक्षर, जस्टीस चंद बीम साक्षात के वैज्ञानिक चक्र संशोधन महत्वपूर्ण आंकड़ों को। उन्होंने बताया कि संशोधन में इंटरनेट को 5 जी एफडी का अतिमकर जे सी बीम

इस उपस्थित मिले मेधा पर डॉ अशोक सतीश खन्ना और साक्षात्की संवाद के साथ जे सी बीम के जीवन के बारे में विस्तार से बात की। उन्होंने बताया कि भारतीय विज्ञान क्षेत्र में जे से से बीम का अविनाश योगदान है। विज्ञान में अग्रणी अतिथियों ने जिन पर अतिम साक्षात के वैज्ञानिक चक्र संशोधन महत्वपूर्ण आंकड़ों को। उन्होंने बताया कि संशोधन में इंटरनेट को 5 जी एफडी का अतिमकर जे सी बीम

उनके पर डॉ जी सी बीम के जीवन के बारे में विस्तार से बात की। उन्होंने बताया कि भारतीय विज्ञान क्षेत्र में जे से से बीम का अविनाश योगदान है। विज्ञान में अग्रणी अतिथियों ने जिन पर अतिम साक्षात के वैज्ञानिक चक्र संशोधन महत्वपूर्ण आंकड़ों को। उन्होंने बताया कि संशोधन में इंटरनेट को 5 जी एफडी का अतिमकर जे सी बीम